सामाजिक सरोकारों से जुड़े आईआईएम छात्र

शिक्षा

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची की ओर से आयोजित तीन दिवसीय यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाईसीपी) का समापन रविवार को हुआ। मौके पर प्रतिभागियों ने तीन दिवसीय घटनाक्रमों पर आधारित एक वीडियो दिखाया। जिसमें उन्होंने रसाबेड़ा गांव में की गई गतिविधियों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि वाईसीपी के जरिए उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का मौका मिला। प्रो दीपक श्रीवास्तव व लाडी बालकृष्ण ने कार्यक्रम के प्रतिभागियों- निरल उपरित, ऋषभ गांगुली, माही माथुर, हिमानी शाह और तनिष राजगढ़िया, को- प्रोग्राम लॉरिएट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया। इन्होंने रसाबेड़ा के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए अभिनव समाधान सुझाए।

समारोह में आईआईएम के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव, सभी प्रतिभागी, उनके माता-पिता और शिक्षकगण मौजूद थे। बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल के लाडी बालकृष्ण, जीएम और एचओडी (सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड सीएसआर) ने हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि लाडी बालकृष्ण ने कहा कि सीसीएल की सीएसआर विंग की एक पहल सीसीएल लाल लाडली योजना है, जो आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रशिक्षित करती है और उन्हें प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं के लिए तैयार करती है। अंत में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम से प्राप्त होने वाले लाभों के बारे में भी बात की और अपने अनुभव साझा किए।

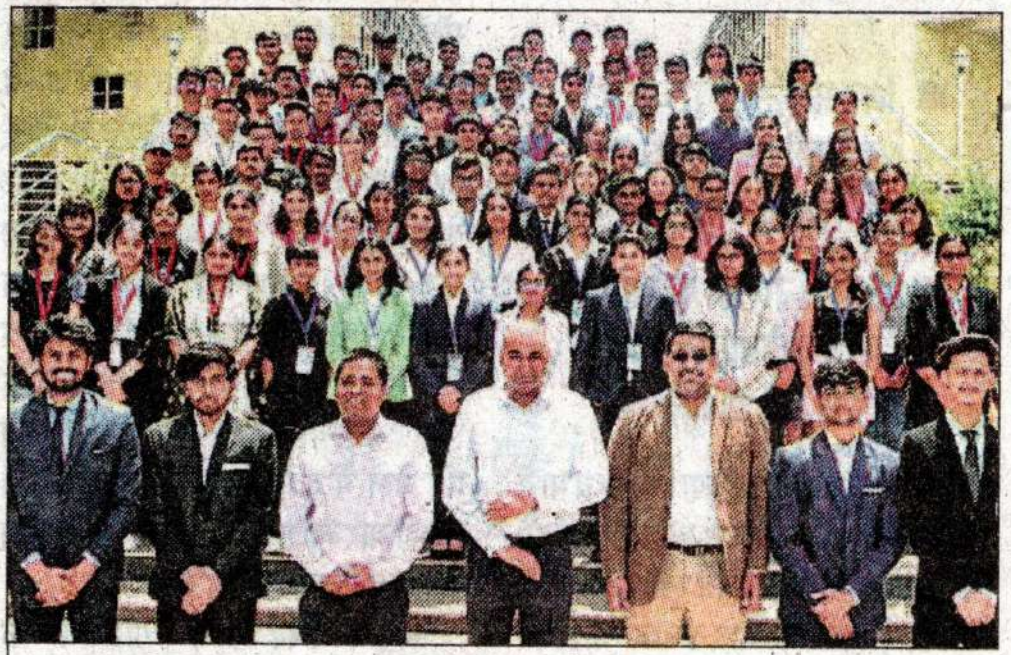

आईआईएम के विद्यार्थी, शिक्षक व अतिथि रविवार को कार्यक्रम के बाद ग्रुप फोटो में।

सौहार्द की भावना बढ़ाने के लिए शुरू की गई एक पहल

आईआईएम के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने ह्यूमन कनेक्ट के बारे में बात की, जो कि आईआईएम रांची की ओर से लोगों के बीच सौहार्द की भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई एक पहल है। कहा कि यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम इसी भावना से निकला है। उन्होंने बताया कि वाईसीपी संस्थान की प्रमुख पहलों में से एक है और उन कई पहलों में से एक है जो आईआईएम रांची सामाजिक कल्याण के लिए शुरू करेगा।

Hindustan, 29.05.2023, Pg. 06